हम यह तो नहीं जानते कि यह स्थल सचमुच वही स्थान है या नहीं जहाँ यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था, जहाँ उसे दफ़नाया गया और जहाँ उसका पुनरुत्थान हुआ। निश्चित रूप से, यह वाटिका उन बातों के अनुकूल है जो हमें सुसमाचारों में मिलती हैं, और यह स्थल उस पहले पुनरुत्थान की सुबह की अद्‌भुत घटनाओं की कल्पना करने में बहुतों की मदद करता है।

"स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, कि तुम मत डरो: मैं जानता हूँ कि तुम यीशु को जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, ढूंढती हो। वह यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है।" (मत्ती 28:5-6)।

हम इस बात पर तो वाद-विवाद कर सकते हैं कि यह सब किस स्थान पर हुआ, लेकिन यह बात निर्विवाद है कि यीशु मसीह "मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है।" (रोमियों 1:4)।

यीशु ने स्वयं कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा। और जो कोई जीवता है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा। **क्या तू इस बात पर विश्वास करती है ?**" (यूहन्ना 11:25-26)।

हम इस वाटिका में प्रवेश करने के लिए कोई शुल्क नहीं लेते। इसकी देखरेख यहाँ आनेवालों के स्वैच्छिक योगदानों से होती है।

द गार्डन टूम (जरूसलेम) असोसिएशन, इंगलैण्ड;
1893 में स्थापित किया गया यरूशलेम की शहरपनाह के बाहर उस कब्र और वाटिका की सुरक्षा के लिए जिसे बहुत से लोग अरमतियाह के यूसुफ की कब्र और वाटिका मानते हैं।

Post Box 19462, Jerusalem, Israel 91193
www.gardentomb.com

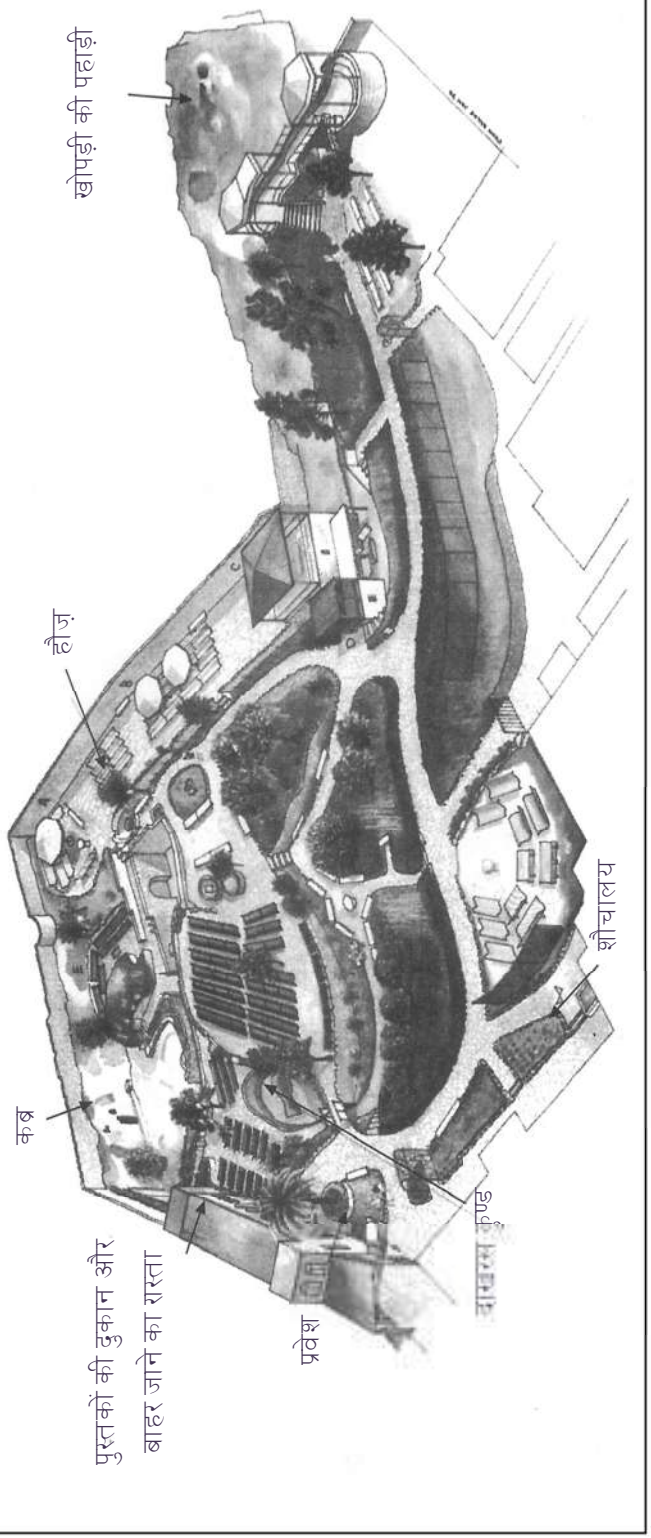

वाटिका-कब्र

पर आपका स्वागत

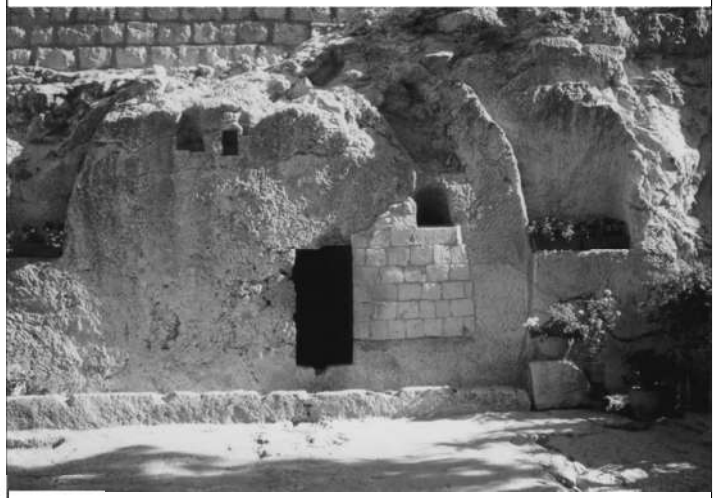

इस वाटिका को एक मसीही पावन स्थल के रूप में बड़े ध्यान से सुरक्षित रखा गया है क्योंकि बहुत से लोगों का यह मानना है कि यह अरमतियाह के यूसुफ की वह बारी हो सकती है जहाँ क्रूस पर चढ़ाने के बाद यीशु को दफ़नाया गया था। इसकी देखरेख "द गार्डन टूम असोसिएशन" नामक ब्रिटेन के एक स्वावलम्बी धर्मार्थ ट्रस्ट के द्वारा की जाती है। वाटिका की यात्रा करने और उसके आत्मिक महत्त्व का पर्यवेक्षण करने के लिए आपका स्वागत।

यदि आपको कुछ पूछना हो, तो बैज पहने हुए हमारे कार्यकर्ता आपकी सहायता करना अपना सौभाग्य मानेंगे।

कृपया अपनी यात्रा को शुरू करने के लिए दायीं ओर मुड़ें और उस मार्ग पर आगे बढ़ें जिसपर "Skull Hill" (खोपड़ी की पहाड़ी) का संकेत चिह्न लगा हुआ है।

जब आप उद्यान के परले छोर पर स्थित चबूतरे पर खड़े होंगे, तो नीचे की ओर आपको एक बस स्टैण्ड दिखाई देगा। अपनी बाईं ओर आपको एक खुरदरी, खड़ी चट्टान दिखाई देगी और दाहिनी ओर पुराने शहर की उत्तरी शहरपनाह। यह क्षेत्र पत्थर की एक प्राचीन खान का भाग है। परम्परा के अनुसार, इस खान का इस्तेमाल यहूदियों के द्वारा पत्थर मारकर प्राणदण्ड देने के लिए, और रोमियों के द्वारा क्रूस पर चढ़ाने के लिए किया जाता था।

क्रूस पर चढ़ाना ज़्यादातर चहल-पहल भरी सड़कों के किनारे किया जाता था ताकि इन्हें देखकर सम्भावित विद्रोहियों का उत्साह भंग हो जाए। यह स्थल बिलकुल ऐसा ही स्थल है क्योंकि दमिश्क और यरीहो जानेवाली मुख्य सड़कें यहीं से होकर जाती हैं। बाइबल हमें बताती है कि वे यीशु से अपना ही क्रूस उठवाकर उसे शहर से बाहर "खोपड़ी के स्थान" पर ले गए (जिसे अरामी भाषा में गुलगुता और लतीनी भाषा में कलवरी कहते हैं)। वहाँ उसे ठट्ठा करती हुई भीड़ के सामने, दो डाकुओं के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया, जब कि आते-जाते लोगों ने अनादरपूर्ण शब्दों से उसे अपमानित किया।

हम पक्की तरह से यह नहीं कह सकते कि यीशु को किस स्थान पर क्रूस पर चढ़ाया गया था, लेकिन सही स्थल से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है उस घटना की आत्मिक सार्थकता। यीशु स्वेच्छा से क्रूस पर मरने गया। यह सब हमें क्षमा करने की परमेश्वर की प्रेममयी योजना का एक हिस्सा था। बाइबल हमें बताती है कि "वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया" और यह कि "मसीह ने, अर्थात् अधर्मियों के लिए धर्मी ने पापों के कारण एक बार दुःख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुँचाए।" (1 पतरस 2:24 और 3:18)।

खोपड़ी की आकृति वाली चट्टान

सम्राट् कॉन्सटेन्टीन के समय के, 4थी शताब्दी के काल के चर्च ऑफ़ द होली सेपलकर को इस विस्मयकारी घटना का पारम्परिक स्थल माना जाता है। यह स्थल अब पुराने शहर की शहरपनाह के भीतर है और पिछले 200 वर्षों से इसकी प्रामाणिकता पर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। जेनरल चार्ल्स गॉर्डन इस मान्यता के सबसे अधिक जानेमाने व्याख्याता हैं कि यह खान (जो अब एक बस स्टेशन है) यीशु को शहरपनाह के बाहर क्रूस पर चढ़ानेवाला स्थान हो सकती है। हम पक्की तरह से तो नहीं कह सकते, लेकिन आपकी बायीं ओर चट्टान पर मानव खोपड़ी का आकार बड़ा रोचक है। हमारे चबूतरे पर लगी हुई फोटो दिखाती है कि यह आकार लगभग 120 वर्ष पहले कैसा दिखाई देता था, और उस समय भी यह पहाड़ी "खोपड़ी की पहाड़ी" कहलाती थी।

बाइबल यह भी बताती है कि "उस स्थान पर जहाँ यीशु को क्रूस पर चढ़ाया गया था, एक बारी थी, और उस बारी में एक नई कब्र थी; जिसमें कभी कोई न रखा गया था।" (यूहन्ना 19:41)। यह बारी या वाटिका अरमतियाह के यूसुफ की थी, जो यीशु का एक गुप्त चेला था, और जिसे यह विशेष अनुमति दी गई थी कि वह यहूदियों के सब्त के शुरू होने से पहले, यीशु के शव को पास ही स्थित अपनी इस कब्र में दफ़नाए।

प्राचीन दाखरस कुण्ड

कृपया अब वापस वाटिका की ओर चलें, और कब्र का संकेत देनेवाले साईन-बोर्ड से दायीं ओर मुड़ जाएँ। कुछ आगे चलने पर आप अपनी दायीं ओर एक पेड़ पर लगा हुआ एक रंगीन फोटो देखेंगे। आप यरूशलेम के तीसरे सबसे बड़े बरसाती हौज़ के ठीक ऊपर खड़े हैं। इस हौज़ में लगभग 10 लाख लीटर पानी होता है। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि यह हौज़ मसीहियत की शुरुआत से पहले से था, और यह इस बात का सबूत है कि यीशु के समय में यहाँ पर किसी प्रकार का बाग़ था जैसे कि जैतून का बाग़, या फलों का बाग़, या दाखबारी। यदि आप थोड़ा सा चक्कर काटते हुए हमारी दुकान की ओर चलेंगे, तो आप अच्छी तरह से सुरक्षित रखा हुआ एक दाखरस का कुण्ड देख पाएँगे। इसे 1924 में खोद कर निकाला गया था, और यह इस्राएल में पाए जानेवाले सबसे बड़े दाखरस के कुण्डों में से एक है। इसकी खोज इस सम्भावना की पुष्टि करती है कि शुरू-शुरू में यह वाटिका एक व्यापक दाखबारी थी, शायद अरमतियाह के यूसुफ नामक उस धनवान व्यक्ति की अपनी बारी।

बरसात के पानी का हौज़

चट्टान में खोदी गई कब्र

जैसे-जैसे आप सीढ़ियाँ उतरते हुए कब्र के सामने चट्टानी फ़र्श की ओर बढ़ते हैं, आप वाटिका की यात्रा की पराकाष्ठा पर पहुँच जाते हैं। कब्र को 1867 में खोद कर निकाला गया था। दुर्भाग्य से, इसका प्रवेश टूट-फूट गया था (शायद किसी भूकम्प के कारण) और बाद में इसकी मरम्मत पत्थर के खण्डों से की गई थी।

इस कब्र के समय के विषय में सब पुरातत्त्वज्ञ तो सहमत नहीं हैं, परन्तु 1970 में कैथलीन कॅन्यन नामक एक प्रतिष्ठित पुरातत्त्वज्ञ ने इसका वर्णन यह कहते हुए किया कि "यह पहली शताब्दी ईसवी के लगभग की एक प्रारूपिक कब्र है।"

यह एक उल्लेखनीय बात है कि यीशु की कब्र के विषय में बाइबल में बताई गई सारी विशिष्टताएँ यहाँ देखने को मिलती हैं :

- यह एक प्राकृतिक गुफ़ा नहीं बल्कि चट्टान में खुदवाई गई कब्र है (मत्ती 27:60)
- इसके प्रवेश को एक लुढ़कनेवाले बड़े पत्थर से बन्द किया गया था, जिसका संकेत इसकी सामने की दीवार के बाहर पाई जानेवाली नाली से मिलता है (मत्ती 27:60)
- कब्र के भीतर, बड़े विलाप-कक्ष में कई विलाप करनेवालों के खड़े होने के लिए काफ़ी जगह होनी चाहिए थी (लूका 24:1-3, 10)

बड़े से हौज़ और एक दाखरस के कुण्ड की तरह ये सारी बातें भी अरमतियाह के यूसुफ जैसे एक धनी व्यक्ति के धन का संकेत देती हैं। इसके अतिरिक्त, दफ़न करने का स्थान कब्र की दायीं ओर है (मरकुस 16:5) और इसे बाहर से देखा जा सकता था (यूहन्ना 20:5)।

घटना के बाद के वर्षों में, पूर्वी रोमी साम्राज्य और क्रूसयुद्ध के काल में, शायद कब्र का इस्तेमाल मसीही आराधना के लिए किया जाता था। यहाँ एक गिरजाघर होने के संकेत मिलते हैं, एक स्थान है जो बपतिस्मा-कक्ष हो सकता है, और दो क्रूस हैं जिनमें से एक कब्र के अन्दर है।